महसूस करो

स्पर्श की एक मज़ेदार क़िताब



नील मौरिस

चित्रः पीटर स्टीवनसन

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

महसूस करो

स्पर्श की एक मज़ेदार क़िताब

नील मौरिस

चित्रः पीटर स्टीवनसन

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा



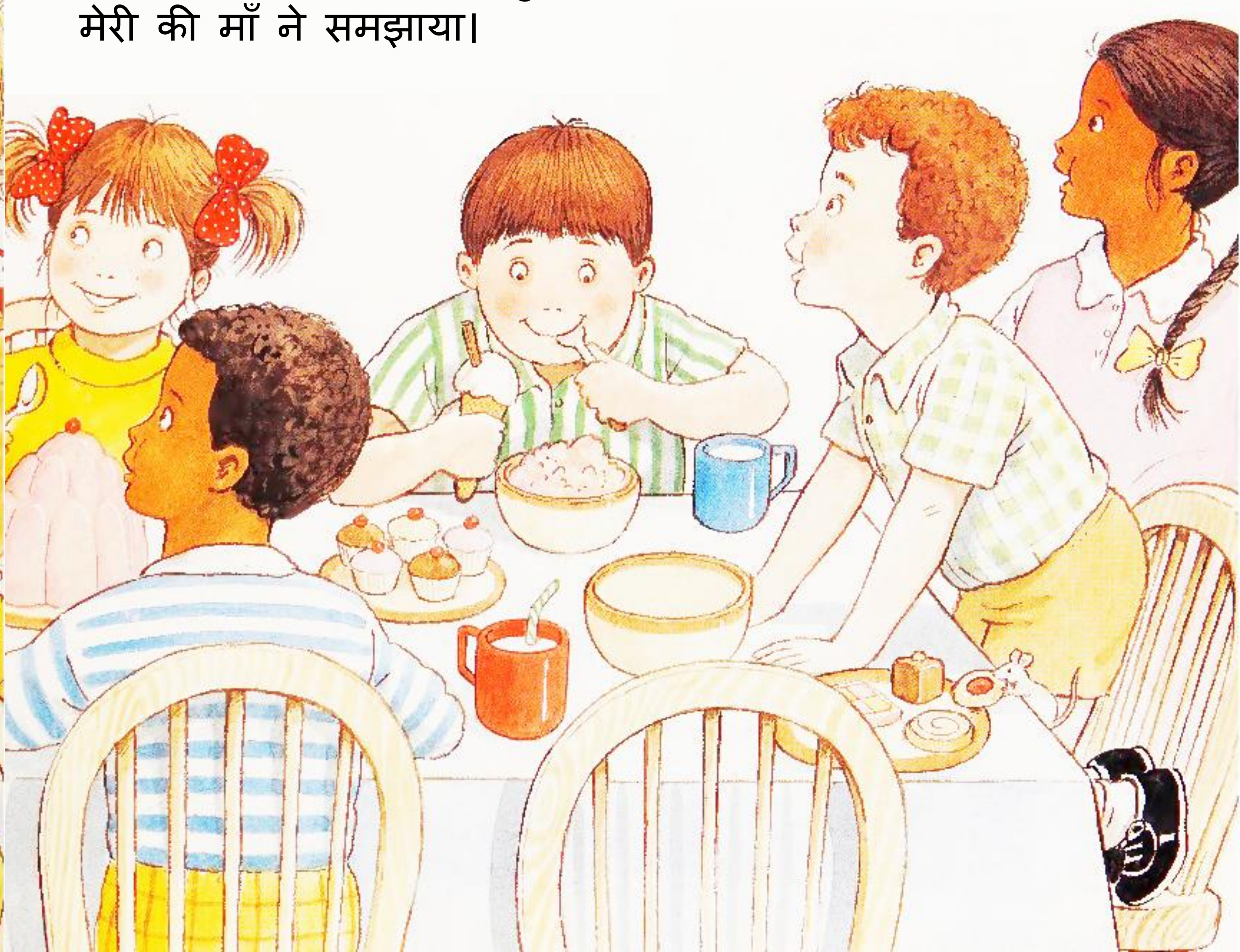


मेरी की सालगिरह की दावत है।

दोपहर के खाने के बाद मेरी की माँ बोली,
''मैंने एक ख़ास खेल बनाया है।''

बच्चों ने जानना चाहा कि उस बड़े से झोले में क्या है।

''तुम लोगों को बिना देखे, इसके अन्दर की चीज़ों को छू कर महसूस करना होगा। फिर मुझे बताना होगा कि वह चीज़ क्या है!'' मेरी की माँ ने समझाया।





‘‘क्या मैं संगीत बजाऊँ?’’
‘‘मुझे झोले में देखना है!’’
‘सबसे पहले मैं खेलूंगा!’’

खेल में सबको संगीत बजने तक झोले को एक से दूसरे को पकड़ाना था। जब संगीत थमे, जिसके पास झोला हो उसे अन्दर हाथ डाल सबको बताना था कि उसने छू कर क्या महसूस किया है। दूसरों को अंदाज़ लगाना था कि वह चीज़ आख़िर क्या हो सकती है। तुम भी अंदाज़ लगा सकते हो।





लीज़ा की बारी सबसे पहले आई।

"मुझे कुछ चुभने वाली चीज़ लग रही है। पर उसकी एक बाज़ू मुलायम है," लीज़ा ने कहा।

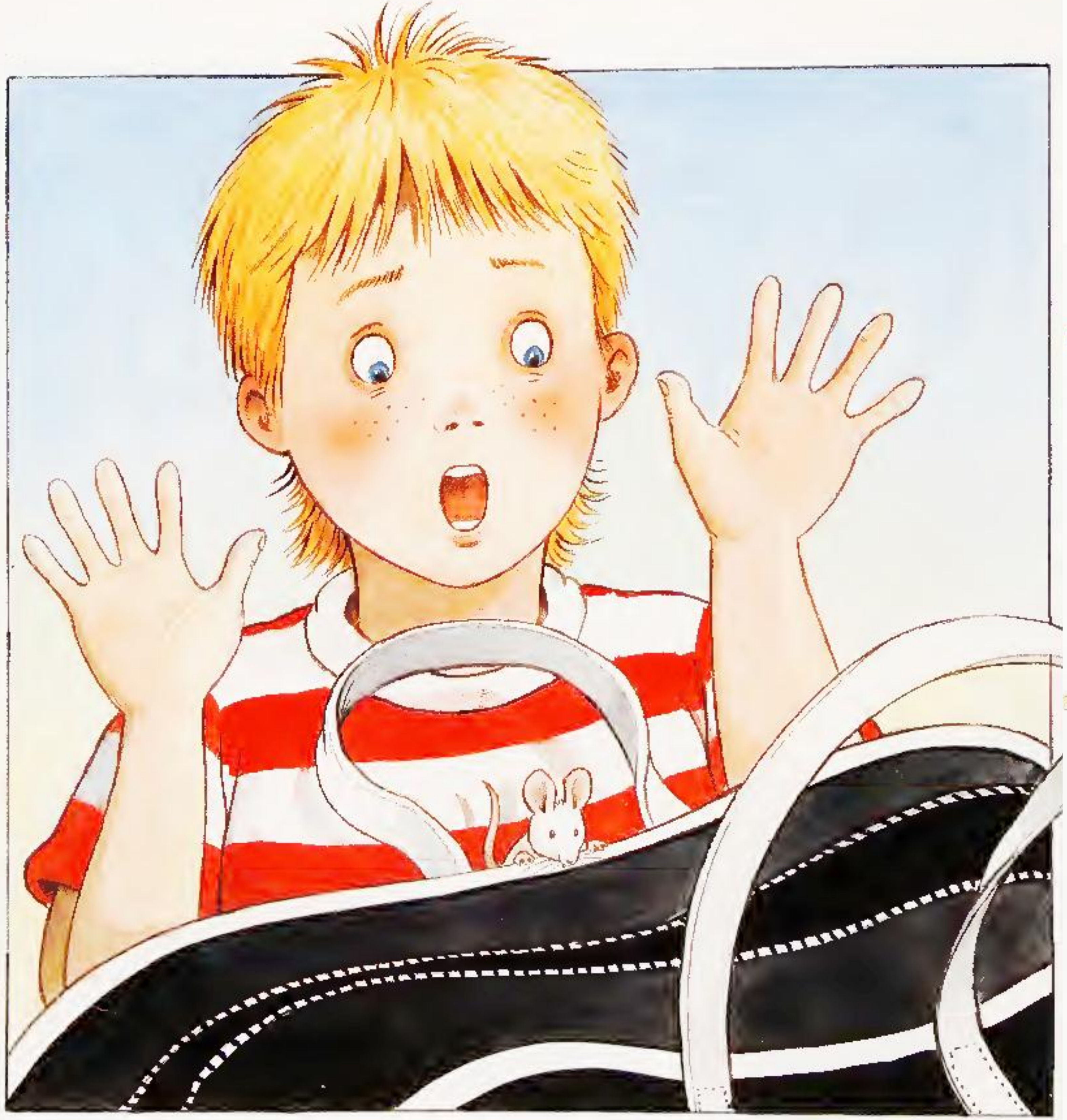




जब संगीत फिर से रुका, झोला मेरी के पास था।

"मुझे छू कर जो चीज़ महसूस हो रही है, वह मुलायम है, और इसे पिचकाया जा सकता है," मेरी ने कहा।





''यह तो डरावना लग रहा है,'' टिम ने अपने दोस्तों से कहा।
''गीला और लिसलिसा भी!''





''श्श्श्श्श्!'' कैली ने कहा। ''मैं सुनने की कोशिश कर रही हूँ।''

''पर यह तो बेईमानी है,'' मेरी बोल उठी।

''ना बेईमानी नहीं है, क्योंकि मुझे किसी छल्ले के गिर्द छोटी चीज़ें महसूस हो रही हैं। मैं सुनना चाहती हूँ कि वे आवाज़ करती हैं या नहीं।''

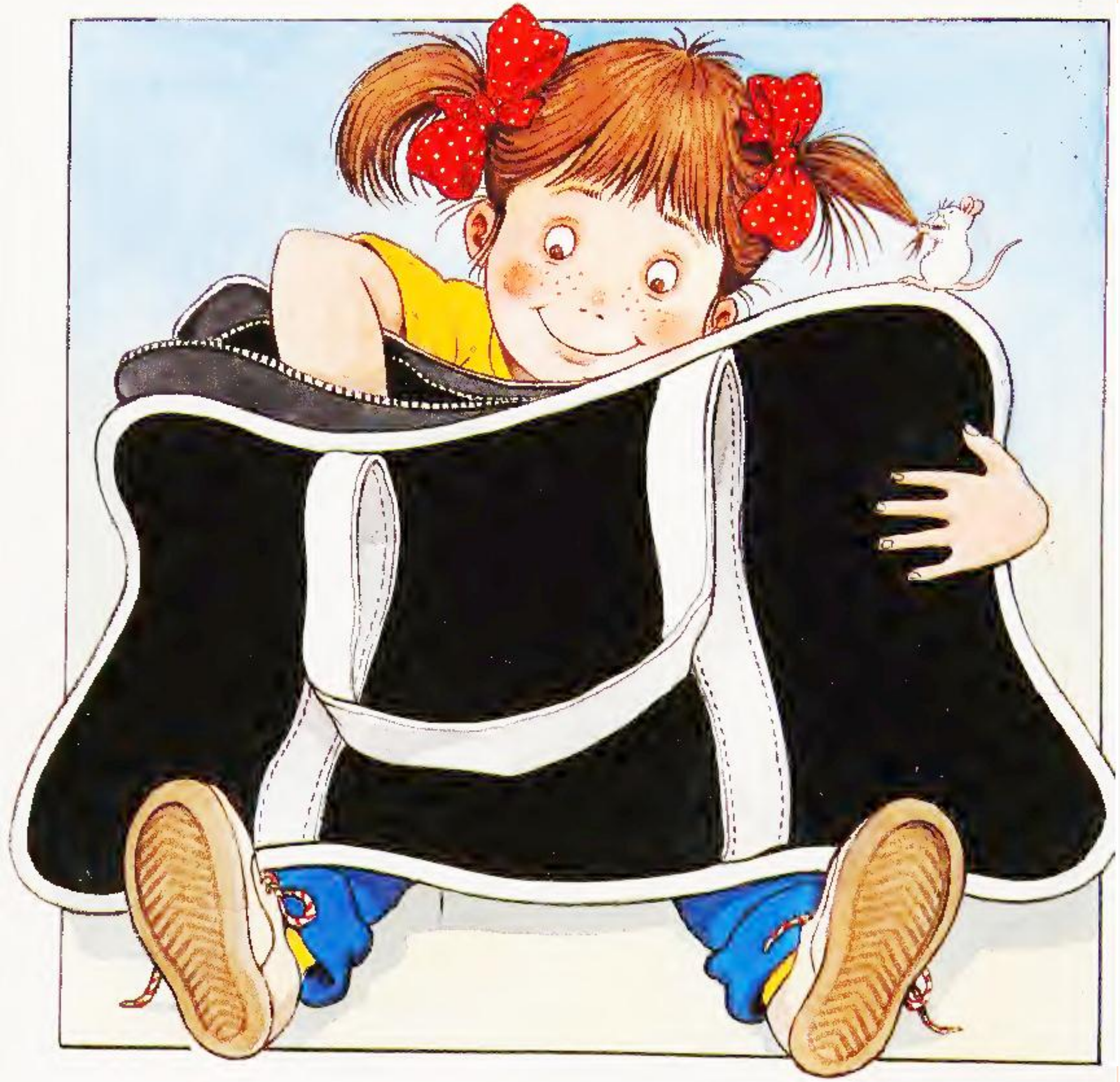




मैक्स कब से अपनी बारी के इन्तज़ार में था।

''मैं किसी ऐसी चीज़ को सहला रहा हूँ, जो मुलायम, गले लगाने लायक और रोएंदार है। उसके लम्बे कान हैं और रोएंदार पूंछ। क्या कोई अंदाज़ लगा सकता है कि वह क्या है?''





‘‘क्या मैं अपनी चीज़ घर ले जा सकती हूँ?’’ एमा ने पूछा।

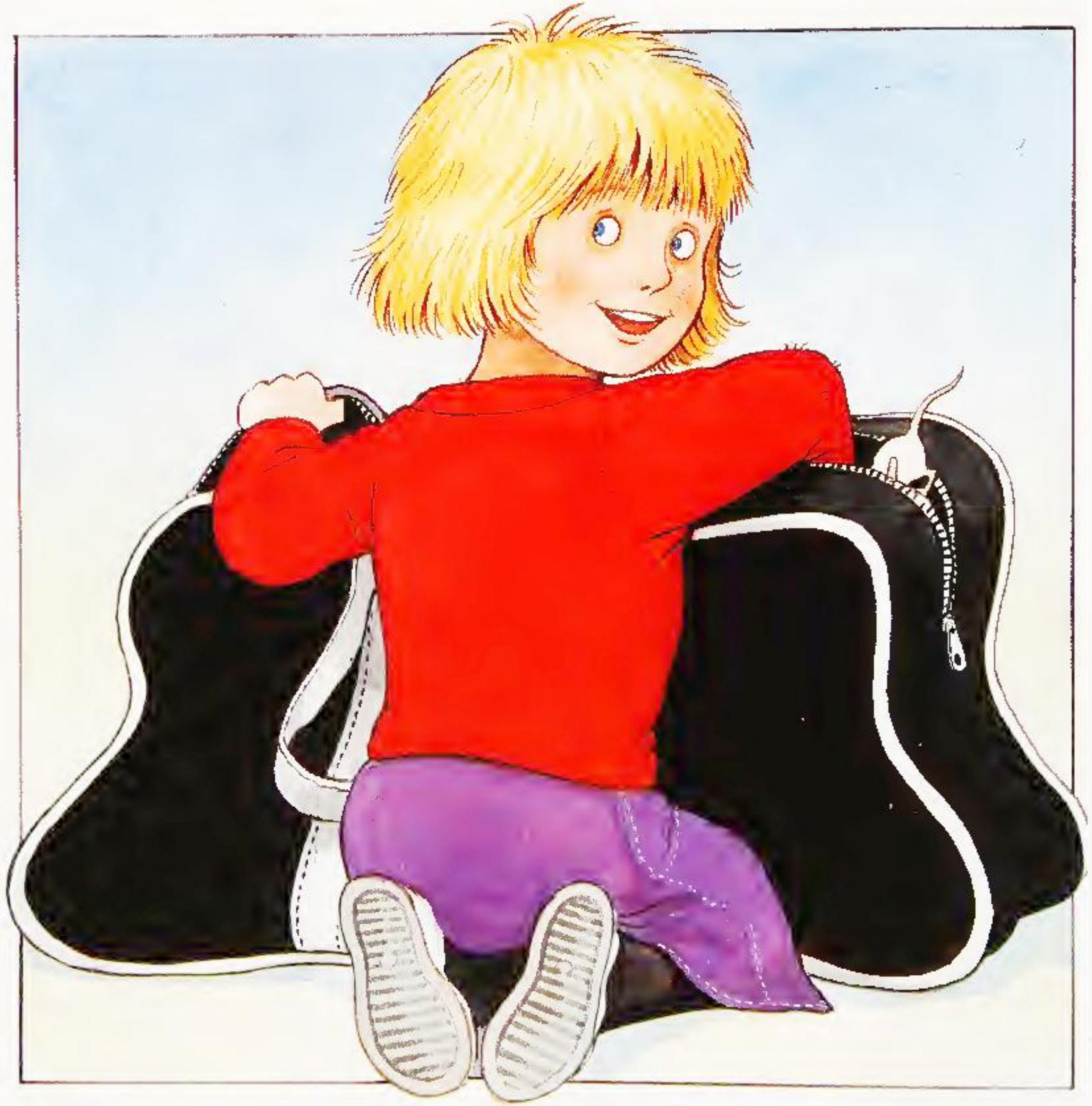
‘‘इसके चार कोने हैं और इसे खोला जा सकता है। लगता है यह कागज़ से बनी है।’’





“चिपचिपी, बहुत ही चिपचिपी!” पीटर बोला।
“इसके ऊपर कुछ उभार हैं।”

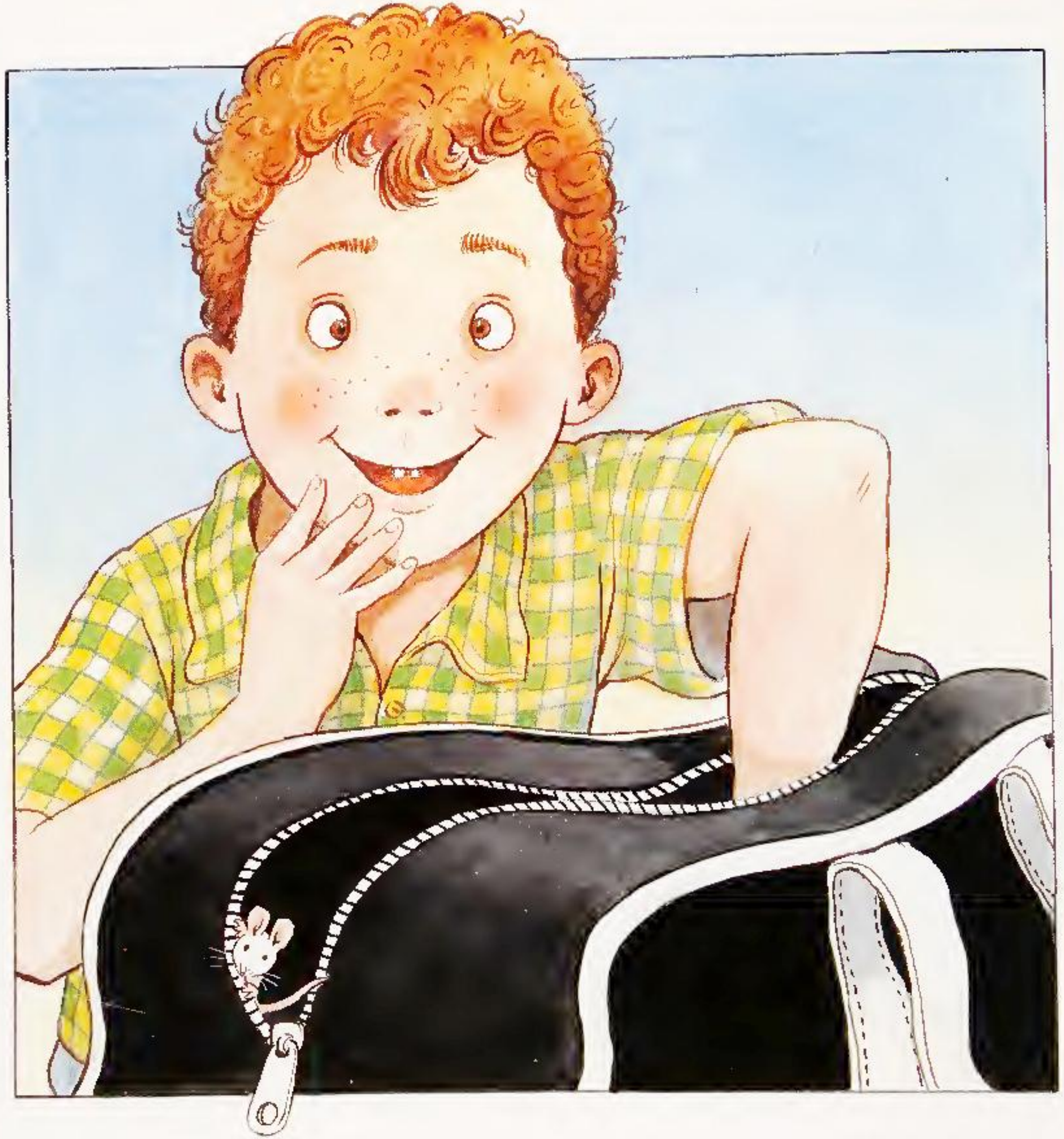




लूसी ने एक चिकनी-सी चीज़ को महसूस किया
जिसका एक हत्था भी था।

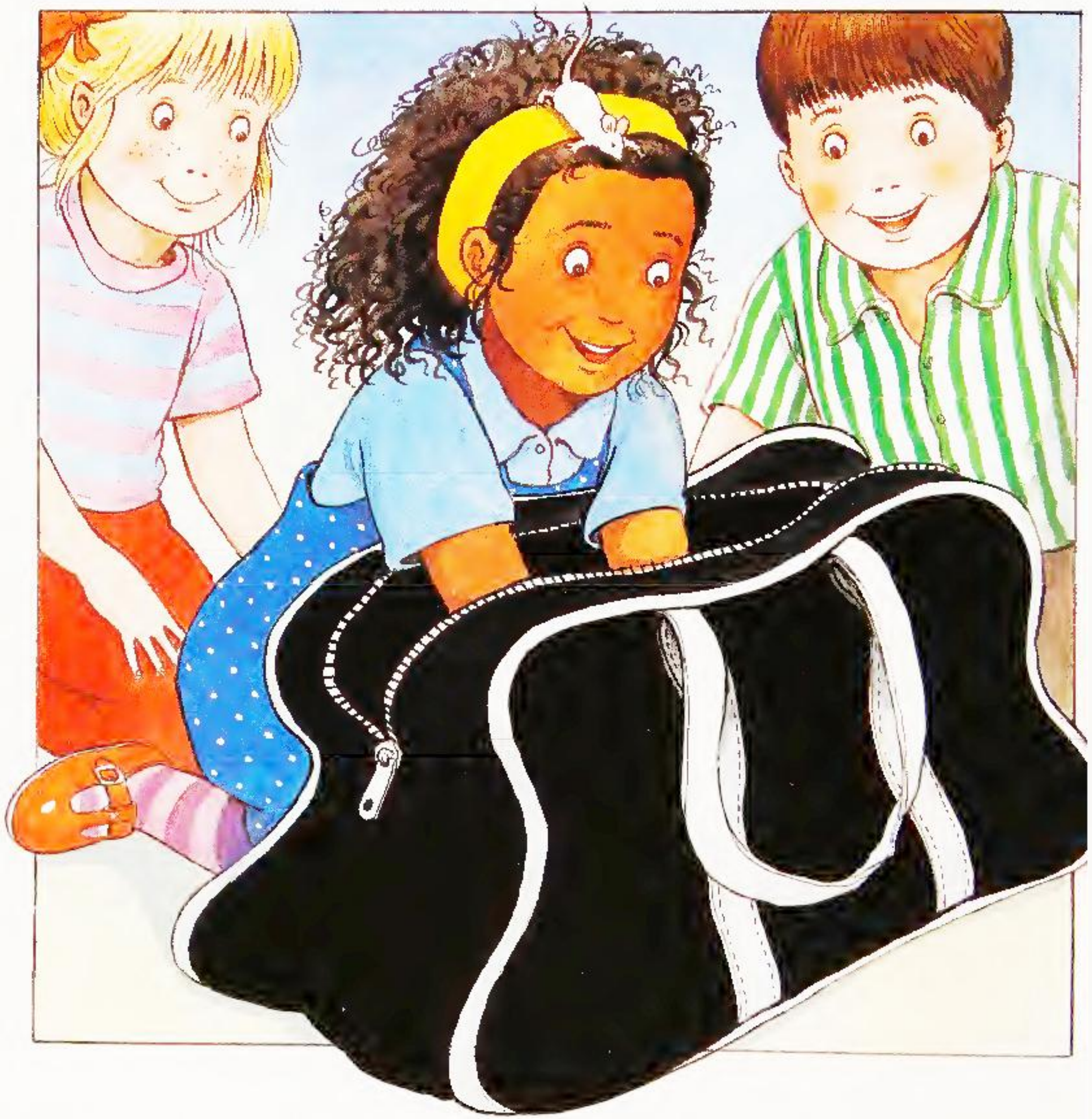
"यह जो कुछ भी है," उसने कहा,
"ऊपर से खुली है पर उसका तला बन्द है।"





"गुदगुदी बन्द करो बेवकूफ़ चीज़!"
बैरी खिलखिलाते बोला।
"यह बहुत हल्की और परदार है।"





‘‘मैं इस पर अपने हाथ गरमा रही हूँ,’’ एन ने दूसरों को बताया। ‘‘जब मैं इसे गोदती हूँ, इसके अन्दर कुछ हिलता है। यह रबर जैसी लग रही है।’’

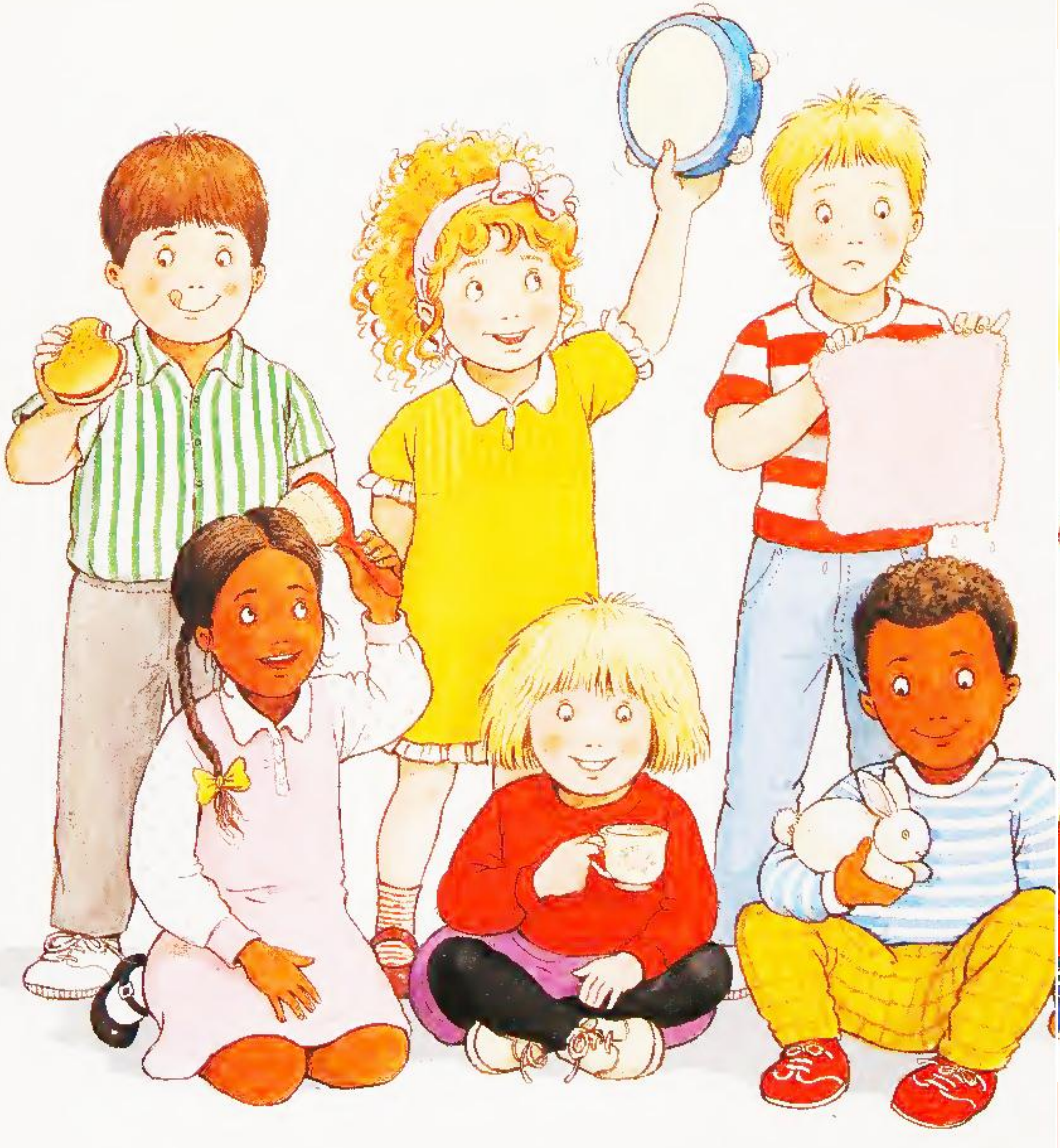




अब झोले में सिर्फ़ एक ही चीज़ बची थी। डैन ने उसे भींचने की कोशिश की, पर वह सख़्त थी। उसने चार गोल आकारों को गिना, जो घुमाए जा सकते थे।

"यह तो कोई पहिएदार चीज़ लग रही है," डैन ने कहा।





ये वे चीज़ें हैं जो बच्चों को झोले में मिलीं थीं।
तुम किस-किस का अंदाज़ लगा पाए?

